

सुबह से शाम

S.S. Media
Group

तक की खबरें
मूल्य - 2₹

* वर्ष: 19 * अंक: 15 * मुंबई, रविवार, 20 सितंबर से 26 सितंबर 2026 * संपादक:- एस.के.तिवारी * पेज: 4

पर्यावरण की रक्षा सामूहिक राष्ट्रीय और वैश्विक जिम्मेदारी: जस्टिस प्रकाश श्रीवास्तव

एनजीटी के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बोले अध्यक्ष- जलवायु परिवर्तन बदल रहा पारिस्थितिकी तंत्र और मानव जीवन, 17 देशों के न्यायिक प्रतिनिधि कर रहे शिरकत



संवाददाता

नई दिल्ली। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के अध्यक्ष जस्टिस प्रकाश श्रीवास्तव ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा करना किसी एक संस्था, क्षेत्र या देश की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह एक सामूहिक राष्ट्रीय और वैश्विक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पर्यावरणीय चुनौतियां देशों की सीमाओं को नहीं मानतीं, इसलिए इनसे निपटने के लिए राष्ट्रीय प्रयासों के साथ अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी जरूरी है। जस्टिस श्रीवास्तव शनिवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में एनजीटी द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'द फ्यूचर ऑफ एनवायरनमेंट एंड क्लाइमेट

डायनेमिक्स' के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। कार्यक्रम में भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जल वायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव, अर्जेंटीना जनरल आर. वेंकटरमणी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। जस्टिस श्रीवास्तव ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन और अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन जैसी पहलों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि ऐसी पहलें भारत के पर्यावरण प्रबंधन और वैश्विक पर्यावरण सहयोग से जुड़े प्रयासों को दर्शाती हैं। (शेष पेज २ पर)

रंग, कद-काठी और घुंघराले बाल देखकर मान लिया ईसाई, मद्रास हाई कोर्ट ने रद्द किया आदेश

संवाददाता

चेन्नई। किसी व्यक्ति का रंग, लंबाई, शारीरिक बनावट, घुंघराले बाल और उसके तमिल-अंग्रेजी बोलने की क्षमता क्या उसका धर्म तय कर सकती है? अनुसूचित जाति प्रमाणपत्र से जुड़े एक मामले में जिला सतर्कता समिति ने कुछ इसी तरह के आधारों पर एक अधिकारी को ईसाई मान लिया था। अब मद्रास हाई कोर्ट ने समिति के इस आदेश को रद्द करते हुए जाति प्रमाणपत्र की नए सिरे से जांच करने का निर्देश दिया है।

मामला तिरुवन्नमलाई निवासी रविकुमार से जुड़ा है, जो अनुसूचित जाति के लिए आरक्षण के आधार पर कस्टम विभाग में असिस्टेंट कमिश्नर के पद पर कार्यरत थे। पिछले वर्ष मई में उनकी सेवानिवृत्ति के आसपास उनके जाति प्रमाणपत्र की जांच शुरू हुई थी। जांच के बाद जिला सतर्कता समिति ने रविकुमार के जाति प्रमाणपत्र पर सवाल उठाते हुए उसे वास्तविक नहीं माना। समिति के आदेश में रविकुमार और उनके परिवार के रंग, लंबे कद, शारीरिक बनावट और घुंघराले बालों जैसी विशेषताओं का उल्लेख किया गया था। उनके तमिल और अंग्रेजी बोलने को भी आधारों में शामिल करते हुए उनके ईसाई होने का निष्कर्ष निकाला गया। समिति के इस फैसले को रविकुमार ने मद्रास हाई कोर्ट में चुनौती दी। उन्होंने अदालत से कस्टम विभाग को समिति के आदेश के आधार पर उनके खिलाफ कार्रवाई करने से रोकने की मांग की। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति टी. भरत चक्रवर्ती ने पाया कि रविकुमार के पिता ने वर्ष १९६० में ईसाई धर्म अपनाया था, लेकिन बाद में



उन्होंने दोबारा हिंदू धर्म अपना लिया था और संबंधित हिंदू समुदाय ने उन्हें स्वीकार भी कर लिया था। अदालत ने इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए जिला सतर्कता समिति के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें रविकुमार को ईसाई मानते हुए उनके अनुसूचित जाति प्रमाणपत्र की वैधता पर प्रतिकूल निष्कर्ष निकाला गया था। हाई कोर्ट ने जिला सतर्कता समिति को रविकुमार के जाति प्रमाणपत्र की दोबारा जांच करने और आठ सप्ताह के भीतर कानून के अनुसार नया आदेश पारित कर प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया है। यह मामला इसलिए भी चर्चा में आया क्योंकि समिति ने धर्म और जाति की पहचान के लिए व्यक्ति की शारीरिक विशेषताओं और भाषा बोलने जैसी बातों को आधार बनाया था, जिन्हें हाई कोर्ट के समक्ष चुनौती दी गई।

महाराष्ट्र में स्वास्थ्य सेवा शिक्षा और प्रशिक्षण में बड़ा बदलाव, 50 से अधिक पाठ्यक्रमों को मिलेगा बढ़ावा मुख्यमंत्री फडणवीस के निर्देश के बाद 'महाराष्ट्र राज्य सहयोगी एवं स्वास्थ्य सेवा परिषद' के गठन और क्रियान्वयन में तेजी, शैक्षणिक वर्ष 2026-27 से लागू होगा राष्ट्रीय स्तर का अपडेटेड पाठ्यक्रम

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में स्वास्थ्य सेवा से जुड़े पेशेवरों की शिक्षा, प्रशिक्षण और नियमन की व्यवस्था में बड़े बदलाव की तैयारी तेज हो गई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देश के बाद 'महाराष्ट्र राज्य सहयोगी एवं स्वास्थ्य सेवा परिषद' (Maharashtra State Allied and Healthcare Council) की स्थापना और उसके प्रभावी क्रियान्वयन की प्रक्रिया को गति दी गई है। सरकार का कहना है कि इससे स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों की शिक्षा और प्रशिक्षण को बेहतर बनाने के साथ उनके नियमन के लिए अधिक सक्षम व्यवस्था विकसित की जाएगी। राज्य सरकार के अनुसार, सहयोगी एवं स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से १० अक्टूबर २०२४ को परिषद की स्थापना की अधिसूचना जारी की गई थी। परिषद का कामकाज सुचारु रूप से संचालित करने के लिए आवश्यक नियमावली भी तैयार की गई है। सबसे

महत्वपूर्ण बदलाव शैक्षणिक पाठ्यक्रम में होने जा रहा है। शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ से राष्ट्रीय स्तर पर तैयार अपडेटेड पाठ्यक्रम को पूरे महाराष्ट्र में लागू करने की दिशा में प्रक्रिया तेज कर दी गई है। सरकार का मानना है कि इससे राज्य के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण उपलब्ध हो सकेगा।

परिषद के तहत बनेंगे चार स्वायत्त बोर्ड

स्वास्थ्य सेवा शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने, पेशेवर मानकों को मजबूत करने और कामकाज में एकरूपता लाने के लिए परिषद के अंतर्गत चार स्वायत्त बोर्ड स्थापित किए जाएंगे। इनमें स्नातक सहयोगी एवं स्वास्थ्य सेवा शिक्षा बोर्ड, स्नातकोत्तर सहयोगी एवं स्वास्थ्य सेवा शिक्षा बोर्ड, सहयोगी एवं स्वास्थ्य सेवा व्यवसाय मूल्यांकन एवं मान्यता बोर्ड तथा सहयोगी एवं स्वास्थ्य सेवा व्यवसाय आचार संहिता एवं पंजीकरण बोर्ड शामिल होंगे। इन बोर्डों के माध्यम से शिक्षा से लेकर मूल्यांकन, मान्यता, पेशेवर आचार

संहिता और पंजीकरण तक की प्रक्रिया को व्यवस्थित करने की योजना है।

५० से अधिक क्षेत्रों में प्रशिक्षण का रास्ता होगा मजबूत

स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों की पंजीकरण प्रक्रिया से संबंधित केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों को मंजूरी देने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और इस संबंध में ३१ अगस्त २०२६ को अधिसूचना जारी की गई। इसके बाद राज्य सरकार ने आगे की कार्यवाही शुरू करने की तैयारी कर ली है। नई व्यवस्था के तहत महाराष्ट्र में फिजियोथेरेपिस्ट, रेडियोग्राफर, प्रयोगशाला तकनी-शियन, नेत्र स्वास्थ्य से जुड़े पेशेवर, आहार विशेषज्ञ सहित ५० से अधिक सहयोगी एवं स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों में शिक्षा और प्रशिक्षण की व्यवस्था को विस्तार तथा व्यवस्थित स्वरूप देने की प्रक्रिया शुरू की गई है।

पंजीकरण से आचार संहिता तक बनेंगी व्यवस्थित व्यवस्था

राज्य सरकार के मुताबिक, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस



के मार्गदर्शन में संबंधित विभागों और संस्थाओं के बीच समन्वय स्थापित कर परिषद को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने पर जोर दिया जा रहा है। सरकार को उम्मीद है कि नई व्यवस्था लागू होने के बाद सहयोगी एवं स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में पेशेवर मानकों, आचार संहिता, मूल्यांकन,

मान्यता और पंजीकरण की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी होगी। इसका सीधा लाभ स्वास्थ्य क्षेत्र में करियर बनाने वाले विद्यार्थियों और पेशेवरों के साथ भविष्य में मरीजों को मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को भी मिलने की उम्मीद है।

ड्रग तस्करी से 3.96 करोड़ की काली कमाई, दुबई भेजकर USDT में बदली रकम, ईडी ने 5 और आरोपियों पर कसा शिकंजा

संवाददाता

पणजी, गोवा। अंतरराज्यीय और सीमा पार ड्रग तस्करी से अर्जित करीब ३.९६ करोड़ रुपये की अपराध की आय को बैंकिंग चैनलों के जरिए दुबई भेजकर क्रिप्टोकरेंसी ठएउऊ में बदलने और फिर उसी रकम से डार्क वेब के माध्यम से नशीले पदार्थ खरीदने के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी के पणजी जोनल कार्यालय ने १८ सितंबर २०२६ को उत्तर गोवा की विशेष पीएमएलए अदालत में निहाल वडक्कनचेरी नाजेर, प्रभोश पी.के., अल्फिन थॉमस, धीरज मैथ्यूज और निशांत प्रताप समेत पांच अतिरिक्त आरोपियों के खिलाफ सप्लीमेंट्री प्रोसिक्यूशन कंफ्लेंट दाखिल की है। यह कार्रवाई १६ मार्च २०२६ को सात आरोपियों के खिलाफ दाखिल मुख्य अभियोजन शिकायत की अगली कड़ी है। ईडी के अनुसार जांच में सामने आया कि संगठित अंतरराज्यीय और सीमा पार नारकोटिक ड्रम्स तथा साइकोट्रॉपिक पदार्थों की तस्करी के जरिए करीब ३.९६ करोड़ की अपराध की आय उत्पन्न हुई थी। आगे की जांच में पांच



और आरोपियों की पहचान हुई, जिनकी भूमिका अपराध की आय के सुजन, प्राप्ति, लेयरिंग, छिपाने और उसे दूसरे रूप में बदलने से जुड़ी पाई गई। ईडी ने उत्तर गोवा के एंटी-नारकोटिक सेल पुलिस स्टेशन में १५ अक्टूबर २०२४ को एनडीपीएस एक्ट के तहत मधुपन सुरेश ससिकला के खिलाफ दर्ज एफआईआर नंबर २२/२०२४ के आधार पर पीएमएलए (शेष पेज २ पर)

दिव्यांगों को सहानुभूति नहीं, समान अवसर देने की जरूरत: राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा

मुंबई में 11 दिव्यांगों को व्हीलचेयर वितरित, विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 32 हस्तियों को राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार



संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने कहा कि दिव्यांग व्यक्तियों को उनकी दिव्यांगता के बजाय उनकी क्षमता, प्रतिभा और दृढ़ संकल्प के नजरिए से देखा जाना चाहिए। उनके प्रति केवल सहानुभूति व्यक्त करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि समाज की जिम्मेदारी है कि उन्हें आगे बढ़ने के लिए समान अवसर उपलब्ध कराए। राज्यपाल वर्मा लोकभवन सेवा संकल्प अभियान के तहत वर्मा फाउंडेशन और मैत्री पीस फाउंडेशन की ओर से मुंबई केवाई.बी. चव्हाण सभागार में आयोजित व्हीलचेयर वितरण शिविर एवं राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर महामंडलेश्वर राजेश ओझा महाराज, मैत्री पीस

फाउंडेशन के अध्यक्ष सुरजीत बरुआ, सचिव मिलन पारेख, वर्मा फाउंडेशन के अध्यक्ष वासुमुदुमुरी वर्मा, पी.एन. स्वामी महाराज, राज्यपाल के सचिव डॉ. प्रशांत नारनवरे, पद्मश्री पुरस्कार विजेता सोमा घोष, समाजसेवक नवीन चंद्र और राहुल पाटील सहित विभिन्न क्षेत्रों के लोग उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए राज्यपाल ने कहा कि जनसेवा और लोककल्याण से जुड़े कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को एक साथ लाने वाला 'सेवा संकल्प अभियान' समाज में सेवा भावना को मजबूत करने का माध्यम है। दिव्यांगों को निःशुल्क व्हीलचेयर उपलब्ध कराना इसी सेवा संकल्प का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि व्हीलचेयर केवल आवागमन का सहायक उपकरण नहीं, बल्कि (शेष पेज २ पर)

पत्नी से छिपानी थी महिला दोस्त संग विदेश यात्रा कारोबारी ने रच दी 'इमिग्रेशन' की कहानी

फोन बंद हुआ तो पत्नी ने दर्ज करा दी अपहरण की एफआईआर, सहार पुलिस की जांच में सामने आया मामला, अब कोर्ट में दाखिल होगी 'सी समरी' रिपोर्ट

संवाददाता

मुंबई। पत्नी से महिला दोस्त के साथ विदेश यात्रा की बात छिपाने की कोशिश पुणे के एक ४६ वर्षीय कारोबारी को भारी पड़ गई। मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से कुआलालंपुर जाने की योजना रद्द होने के बाद कारोबारी ने कथित तौर पर पत्नी को इमिग्रेशन से जुड़ी ऐसी कहानी सुनाई कि मामला आखिरकार अपहरण की एफआईआर तक पहुंच गया। सहार पुलिस ने जांच शुरू की तो कहानी की परतें खुलती चली गईं और आखिरकार कारोबारी खुद पुलिस स्टेशन पहुंच गया। पुलिस के मुताबिक, लॉन्ट्री व्यवसाय से जुड़े कारोबारी ने १४ सितंबर को एक महिला परिचित के साथ कुआलालंपुर जाने की योजना बनाई थी। दोनों मुंबई एयरपोर्ट पहुंचे, लेकिन इमिग्रेशन जांच के दौरान महिला के पासपोर्ट को लेकर समस्या सामने आ गई। पुलिस का कहना है कि महिला के पास एक पुराना पासपोर्ट था, जिसे उसने पहले खोया हुआ बताया था। इमिग्रेशन अधिकारियों के सामने यह मामला आने के बाद दोनों की तय विदेश यात्रा नहीं हो सकी।



पत्नी को बताया- इमिग्रेशन वालों ने मोबाइल जमा करा लिया

पुलिस के अनुसार, कारोबारी को डर था कि घर लौटने पर पत्नी को पता चल जाएगा कि उसने महिला परिचित के साथ कुआलालंपुर जाने की योजना बनाई थी। कथित तौर पर इसी बात को छिपाने के लिए उसने इमिग्रेशन संबंधी परेशानी की कहानी बनाई। एयरपोर्ट से बाहर निकलने से पहले उसने कथित तौर पर लैंडलाइन फोन से पत्नी को कॉल (शेष पेज २ पर)

'फिल्मी स्टाइल' में बाइक उड़ाने का आरोप पुलिस ने रुचित दोड़े को दबोचा

घर के बाहर खड़ी होंडा शाइन हुई थी गायब, तकनीकी जांच और खुफिया जानकारी के सहारे आरोपी तक पहुंची कासा पुलिस, चोरी की बाइक बरामद

इंद्र यादव

पालघर। शायद रुचित सुभाष दोड़े ने सोचा होगा कि बाइक गायब करके वह किसी बॉलीवुड फिल्म के किरदार की तरह पुलिस को चकमा दे देगा, लेकिन कासा पुलिस की जांच ने कथित ‘फिल्मी कहानी’ का जल्द ही पर्दा गिरा दिया। पुलिस के मुताबिक, पालघर जिले के विक्रमगढ़ स्थित आंबेघर पाटीलपाड़ा निवासी रुचित दोड़े को बाइक चोरी के मामले में पकड़ा गया और उसके पास से चोरी की होंडा शाइन बरामद की गई है। मामला ६ सितंबर २०२६ की रात का है। धरमपुर, बापुगांव निवासी दिलीप रामा हारके (५३) ने अपनी होंडा शाइन (MH-48-AJ-8403) घर के बाहर खड़ी की थी। अगली सुबह बाइक वहां नहीं मिली। काफी तलाश के बाद भी जब उसका पता नहीं चला तो हारके ने ८ सितंबर को कासा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा ३०३(२) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इसके बाद कासा पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण और गोपनीय सूचना के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। पुलिस के अनुसार जांच की कड़ी रुचित सुभाष दोड़े तक पहुंची, जिसके बाद उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस का दावा है कि पूछताछ के दौरान मिली जानकारी के आधार पर चोरी की गई प्द्वहै एप्पहा बरामद कर ली गई। जिस बाइक को



लेकर आरोपी के पुलिस की पकड़ से दूर निकल जाने की उम्मीद रही होगी, वही बाइक आखिरकार पुलिस के लिए मामले की अहम कड़ी बन गई। कार्रवाई पालघर पुलिस अधीक्षक यतिश देशमुख, अपर पुलिस अधीक्षक विनायक नरठे और जह्दार उपविभागीय पुलिस अधिकारी समीर महेर के मार्गदर्शन में की गई। पुलिस निरीक्षक अमर पाटील के नेतृत्व में महेश कडव, ठाळकर और सय्यद सहित पुलिस टीम ने जांच एवं बरामदगी की कार्रवाई को अंजाम दिया। कासा पुलिस की इस कार्रवाई ने एक बार फिर संदेश दिया है कि बाइक चोरी करके ‘फिल्मी अंदाज’ में गायब हो जाना जितना आसान दिखाई देता है, तकनीकी जांच के दौर में पुलिस की नजरों से बच निकलना उतना आसान नहीं। फिलहाल पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है और आरोपी के संबंध में अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।

पुणे फेस्टिवल के ३8वें संस्करण का उपराष्ट्रपति सी.पी.राधाकृष्णन ने किया उद्घाटन



संवाददाता
पुणे। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने श्री गणेश कला -क्रीड़ा रंगमंच, स्वारगेट में पुणे फेस्टिवल के ३८वें संस्करण का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन बनाते हुए विकास की दिशा में आगे बढ़ने के साथ देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, भाषा, कला, परंपराओं और मूल्यों का संरक्षण भी आवश्यक है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि आधुनिक बुनियादी ढांचा, तकनीक और आर्थिक विकास जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही अपनी सांस्कृतिक जड़ों से मजबूत जुड़ाव बनाए रखना भी जरूरी है। यही विकसित भारत की वास्तविक पहचान होनी चाहिए।

उन्होंने पुणे फेस्टिवल की सराहना करते हुए कहा कि इस आयोजन ने कला, संस्कृति, संगीत, नृत्य, साहित्य, खेल और पर्यटन को एक मंच पर लाकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। विभिन्न देशों के कलाकारों, पर्यटकों, प्रतिनिधियों और विद्यार्थियों की भागीदारी से सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलता है। इस वर्ष महोत्सव में २9 देशों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया है। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने कहा कि अलग-अलग आस्थाओं, संस्कृतियों और परंपराओं के प्रति सम्मान भारतीय सांस्कृतिक जीवन की प्रमुख

विशेषता है। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने कहा कि पर्यटन आर्थिक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है और महाराष्ट्र के सांस्कृतिक पर्यटन को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुणे फेस्टिवल में भविष्य में और विस्तार के साथ एक वैश्विक सांस्कृतिक महोत्सव के रूप में विकसित होने की बड़ी क्षमता है। उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार ने कहा कि स्थापित कलाकारों के साथ नवोदित प्रतिभाओं को मंच उपलब्ध कराना पुणे फेस्टिवल की खासियत रही है। महिला महोत्सव, लावणी महोत्सव, चित्रकला, नृत्य, पाककला, मेहंदी सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं और अंतरराष्ट्रीय भागीदारी ने इस आयोजन को व्यापक स्वरूप दिया है। समारोह के दौरान उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने वरिष्ठ अभिनेता मोहन जोशी को ‘पुणे फेस्टिवल जीवन गौरव पुरस्कार’ प्रदान कर सम्मानित किया। उद्घाटन समारोह में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटील, सांस्कृतिक कार्य मंत्री आशीष शेलार, पूर्व मुख्यमंत्री सुशीलकुमार शिंदे, सांसद एवं अभिनेत्री हेमा मालिनी, सांसद डॉ. मेधा कुलकर्णी, पुणे फेस्टिवल के अध्यक्ष कृष्णकुमार गोयल और मीरा सुरेश कलमाडी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मुंबई पुलिस ने लौटाया 1.73 करोड़ का बरामद माल, मालिकों के चेहरों पर लौटी मुस्कान

संवाददाता
मुंबई। मुंबई पुलिस के उत्तर परिमंडल-२ ने चोरी, साइबर अपराध और अन्य मामलों में बरामद 9 करोड़ ७३ लाख 9 हजार ७५४ का मुद्देमाल उसके मूल मालिकों को वापस लौटाया। शुक्रवार को कांदिवली पुलिस स्टेशन में आयोजित विशेष कार्यक्रम में जब लोगों को उनका खोया हुआ सामान वापस मिला तो कई चेहरों पर राहत और खुशी साफ दिखाई दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुलिस उपायुक्त, उत्तर परिमंडल-२ संदीप घुगे ने की। उनके हाथों संबंधित नागरिकों को बरामद सामान सौंपा गया। पुलिस की ओर से कहा गया कि अपराधियों को पकड़ने और अपराध पर अंकुश लगाने के साथ पीड़ितों को उनका सामान वापस दिलाना भी पुलिस की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उत्तर परिमंडल-२ के अंतर्गत आने वाले विभिन्न पुलिस थानों में दर्ज मामलों की जांच के दौरान पुलिस ने यह मुद्देमाल बरामद किया था। संबंधित मामलों की कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद बरामद सामान को उसके वास्तविक मालिकों तक पहुंचाने की कार्रवाई की गई। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक चोरी और अन्य अपराधों के साथ साइबर अपराध के मामलों में भी पुलिस टीमों ने कार्रवाई कर नागरिकों की संपत्ति और रकम वापस दिलाने का प्रयास किया। शुक्रवार के कार्यक्रम में कुल 9.७३ करोड़ से अधिक मूल्य का बरामद माल नागरिकों को सौंपा गया। इस अभियान को मुंबई पुलिस आयुक्त देवन भारती, संयुक्त पुलिस आयुक्त मनोज कुमार शर्मा, अपर पुलिस आयुक्त उत्तर प्रादेशिक विभाग शशिकुमार



मीना के मार्गदर्शन में अंजाम दिया गया। इसमें सहायक पुलिस आयुक्त बोरीवली संतोष धनवटे, मालवणी महेश कुमार ठाकुर, गोरार्ड सुधाकर हुंबे तथा संबंधित पुलिस थानों के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षकों और अपराध जांच से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भूमिका रही। लंबे समय बाद अपना खोया हुआ सामान वापस मिलने पर कई नागरिकों ने खुशी जताई और पुलिस का आभार व्यक्त किया। कुछ लोगों के लिए बरामद संपत्ति केवल आर्थिक नुकसान की भरपाई नहीं, बल्कि लंबे समय से चली आ रही चिंता खत्म होने जैसा मौका था। पुलिस ने नागरिकों को भरोसा दिलाया कि अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई के साथ बरामद संपत्ति को कानूनी प्रक्रिया के तहत उसके सही मालिक तक पहुंचाने के प्रयास जारी रहेंगे। उत्तर परिमंडल-२ की इस पहल से एक साथ बड़ी संख्या में नागरिकों को उनकी संपत्ति वापस मिलने के साथ पुलिस और जनता के बीच विश्वास को मजबूत करने का संदेश भी गया।

IIT बॉम्बे में 22 वर्षीय छात्र की मौत, ChtGPT से नकल के आरोप के बाद कैंपस में फूटा गुस्सा

संवाददाता

मुंबई। देश के प्रतिष्ठित आईआईटी बॉम्बे में शुक्रवार को २२ वर्षीय छात्र साहिल रविंद्र वाकोड़े की मौत ने पूरे कैंपस को झकझोर दिया। महाराष्ट्र के यवतमाल जिले का रहने वाला साहिल ऊर्जा विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग में दूसरे वर्ष का बीटेक छात्र था। उसकी मौत के बाद जहां साथी छात्रों में शोक और आक्रोश है, वहीं इस घटना ने एक बार फिर देश के बड़े शिक्षण संस्थानों में छात्रों पर दबाव और मानसिक स्वास्थ्य सहायता को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस और संस्थान की ओर से सामने आई जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार को परीक्षा के दौरान साहिल मोबाइल फोन इस्तेमाल करते पाया गया था। आईआईटी बॉम्बे का कहना है कि उसने परीक्षा का प्रश्नपत्र ChatGPT पर अपलोड कर उत्तर हासिल करने का प्रयास किया था। इसके बाद संबंधित शिक्षक और विभागाध्यक्ष ने साहिल से बातचीत की। संस्थान का दावा है कि उसके खिलाफ कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू नहीं की गई थी और बातचीत के दौरान उसे भरोसा दिलाया गया था कि यह घटना उसके अकादमिक करियर को प्रतिकूल रूप से प्रभावित नहीं करेगी। इसके बाद साहिल अपने हॉस्टल के कमरे में लौट गया। शाम को जब कमरे से कोई जवाब नहीं मिला तो साथी छात्रों ने अधिकारियों को सूचना दी। इसके बाद साहिल अपने कमरे में मृत मिला। पर्वइ पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु रिपोर्ट (ADR) दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। ऐसे में उसकी मौत के पीछे की परिस्थितियों और परीक्षा की घटना के बीच सीधे संबंध को जांच पूरी होने से पहले स्थापित नहीं किया जा सकता।

मौत के बाद छात्रों का प्रदर्शन

साहिल की मौत की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में छात्र परिसर में जमा हो गए और प्रशासन से जवाबदेही तथा घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की। कुछ छात्रों ने आरोप लगाया कि साहिल को संभावित निलंबन का डर था। हालांकि आईआईटी बॉम्बे ने इससे अलग रुख रखते हुए कहा है कि उसके खिलाफ कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू नहीं की गई थी। छात्रों के विरोध के बीच परीक्षाओं को भी स्थगित किया गया। साहिल की मौत इसलिए भी चिंता बढ़ाने वाली है क्योंकि उपलब्ध रिपोर्टें के मुताबिक पिछले सात महीनों में आईआईटी बॉम्बे परिसर में छात्र की आत्महत्या की यह तीसरी रिपोर्टेंड घटना है। इससे पहले फरवरी और जुलाई में भी दो विद्यार्थियों की मौत हुई थी।

एक मौत, लेकिन सवाल कई

साहिल की मौत के वास्तविक कारणों का जवाब पुलिस जांच से ही सामने आएगा। उसके मन में उस समय क्या चल रहा था, इसे लेकर अनुमान लगाना उचित नहीं होगा। लेकिन इस घटना के बाद छात्रों की ओर से उठाए गए सवालों को नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता। आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों तक पहुंचने के पीछे विद्यार्थियों की वर्षों की मेहनत होती है। उनके साथ परिवार की उम्मीदें, करियर की चिंता, पढ़ाई का दबाव और प्रतिस्पर्धा भी जुड़ी रहती है। ऐसे में किसी छात्र से गलती होने पर अकादमिक प्रक्रिया अपनी जगह है, लेकिन उसके बाद वह मानसिक रूप से किस स्थिति में है और उसे तत्काल सहायता की जरूरत तो नहीं—इस पर भी संस्थानों को संवेदन-शील व्यवस्था विकसित करनी होगी। ChatGPT और दूसरे AI टूल्स के बढ़ते इस्तेमाल ने शिक्षण संस्थानों के सामने नई चुनौती खड़ी की है। परीक्षा में अनुचित साधनों का इस्तेमाल निश्चित रूप से अकादमिक अनुशासन का विषय है, लेकिन ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए नियमों के साथ संवाद और छात्र सहायता की मजबूत व्यवस्था भी जरूरी है। काउंसिलिंग सेंटर होना ही पर्याप्त नहीं है। बड़ा सवाल यह भी है कि संकट में फंसा विद्यार्थी क्या बिना डर, शर्म या भविष्य खराब होने की आशंका के वहां तक पहुंच पा रहा है?

साहिल वाकोड़े की मौत सात महीने में तीसरी ऐसी घटना, छात्रों का प्रदर्शन, संस्थान का दावा- नहीं शुरू की थी कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई



क्या शिक्षक और प्रशासन ऐसे संकेत पहचानने के लिए पर्याप्त रूप से तैयार हैं? और किसी गंभीर अकादमिक घटना के बाद छात्र को अकेला छोड़ने से पहले उसकी स्थिति का आकलन करने की कोई प्रभावी व्यवस्था है? साहिल के परिवार ने जिस बेटे को बड़ी उम्मीदों के साथ देश के प्रतिष्ठित संस्थान में पढ़ने भेजा था, उसकी मौत उनके लिए अपूरणीय क्षति है। इस दुख के बीच जांच से यह स्पष्ट होना जरूरी है कि घटना से पहले क्या हुआ और क्या ऐसी किसी त्रासदी को रोकने के लिए संस्थागत स्तर पर कुछ और किया जा सकता था। साहिल अब लौटकर नहीं आएगा, लेकिन उसकी मौत के बाद उठे सवाल जरूर बाकी हैं—आखिर कितनी छात्र मौतों के बाद उच्च शिक्षण संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य और संकट के समय तत्काल सहायता की व्यवस्था को अकादमिक प्रदर्शन जितनी प्राथमिकता मिलेगी?

महाराष्ट्र शासन कार्यकारी अभियंता, इलाका शहर विभाग, वांचे कार्यालय Email:urachancy.commaharashtra.com ई-निविदा सूचना क्र.22७ सन २०२६-२७	
कार्यकारी अभियंता, इलाका शहर विभाग, बोधकाम भवन, फोर्ट, मुंबई-०१ (दुरस्थानी क्र. २२०१९९७५/७७) महाराष्ट्र शासनच्या सर्वोच्चतम बोधकाम खात्याकडून अनुमती क्वॉटरवर व पुरवठादार यांच्याकडून खालील कामाकरिता “ब-२५” मनुष्याखाल निविदा ई-निविदा प्रणालीवर (ऑनलाईन) उघडतीने मागविण आले. निविदा कागदपत्र शासनच्या संकेतस्थळावर http://mahatenders.gov.in येथून वाऊनलॉड करण्यात यावी. असेच निविदा स्विकारण्याचा अन्वया नाकारण्याचा अधिकार कार्यकारी अभियंता, इलाका शहर विभाग, बोधकाम भवन, फोर्ट, मुंबई, यांनी राखून ठेवला आहे. अट असलेली निविदा स्विकारली जाणार नाही.	२०२०१९९७५/७७ २०२०१९९७३
कामाचे नाव :-	- ना.वा.मार्ग, मुंबई येथील अवंती या शासकीय इमारतीमध्ये देखभाल व दुरुस्तीच्या कामाकरिता लागणाऱ्या साहित्याचा व मनुर्तांचा पुरवठा करणे बाबत. (अंदाजित रक्कम रु.१६,०८,६७५/-) - ना.वा.मार्ग, मुंबई येथील अंबर या शासकीय इमारतीमध्ये देखभाल व दुरुस्तीच्या कामाकरिता लागणाऱ्या साहित्याचा व मनुर्तांचा पुरवठा करणे बाबत. (अंदाजित रक्कम रु.१६,६०,६५९/-) - ना.वा.मार्ग, मुंबई येथील अंबर या शासकीय इमारतीमध्ये देखभाल व दुरुस्तीच्या कामाकरिता लागणाऱ्या साहित्याचा व मनुर्तांचा पुरवठा करणे बाबत. (अंदाजित रक्कम रु.१६,२५,९७७/-) - ना.वा.मार्ग, मुंबई येथील बॅडमन्स क्वॉर्टर या शासकीय निवासस्थानामध्ये देखभाल व दुरुस्तीच्या कामाकरिता लागणाऱ्या साहित्याचा व मनुर्तांचा पुरवठा करणे बाबत. (अंदाजित रक्कम रु.१६,३९,६८९/-)
ई-निविदा उल्लेख कालावधी:-	दि. ०९.०९.२०२६ ते दि. ०९.१०.२०२६
ई-निविदा उघडणे (शक्य झाल्यावर)	दि. ०५.१०.२०२६
खालील संकेतस्थळावरून ई-निविदाची सर्व माहिती उल्लेख आहे. १) http://mahatenders.gov.in २) http://mahatenders.gov.in (सरर निविदेसूचनेमध्ये कोही त्रुटी नसल्यास वरील वेब साईटवरती कळविण्यात येईल.) ३) कार्यकारी अभियंता, इलाका शहर विभाग, बोधकाम भवन, फोर्ट, मुंबई कार्यालयातील सूचना फलक.	
जा.क्र. का.अ/इसबि/भांवार/ई-निविदा/ ८७ ३८२ कार्यकारी अभियंता वांचे कार्यालय, इलाका शहर विभाग, बोधकाम भवन, २ रा भवन, २५ भव्मलान रोड, फोर्ट, मुंबई-४०० ००१ दुरस्थानी क्र. २२०१९९७५/७७ दिनांक :- २७/०९/२०२६	
डीजीआईपीआर: आरओसी २०२६-२७/क्र ५/सी२८८८	

वसई विरार शहर महानगरपालिका

प्रभाग समिती (बी) विरार पूर्व

मुख्य कार्यालय - विरार, पृध्वनी - ९५२५० - २४०२१७९ / २४०३४४२ / २४०२५६३

जा. क्र. वविम/कर/1०८४ /२०२६-२७ दि.1६/०९/२६

जाहीर नोटीस

महाराष्ट्र मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम ४६९ अन्वये जाहीर नोटीस खालील मालमत्तेच्या हस्तांतरण संबंधाने वसई विरार शहर महानगरपालिका प्रभाग समिती बी कार्यालय नालासोपरा येथे प्राप्त झालेल्या मालमत्ता धारकाच्या प्रकरण परत्वे नोटीस त्यानुसार सदर हस्तांतरण संदर्भात कोणत्याही हितसंबंधाने हरकत अगर आक्षेप असल्यास हि नोटीस प्रसिद्ध झाल्यापासून ७ दिवसंच्या आत हितसंबंधाच्या व हरकतीच्या लेखी पुराव्यासह वसई विरार शहर महानगरपालिका प्रभाग समिती बी कार्यालय विभागीय कार्यालय विरार येथे लेखी स्वरूपात हरकत नोंदवावी अन्यथा करवसुलीच्या सोयीसाठी सदर हस्तांतरण करून महानगरपालिका दफ्तरी याबाबतची नोंद घेतली जाईल.

अ. क्र.	मालमत्ता क्र.	पावती क्र.	ज्याचे नावे मालमत्ता आहे त्याचे म्हणजे मालमत्ता विकणाऱ्याचे नाव किंवा अभिहस्तांकन कर्त्याचे नाव	खरेदीदाराचे किंवा अभिहस्तांकन नाव
1	NL04/376/82	ASS/45341	अनिल मोरेश्वर बागडे	त्रिवेणी हरदेव गुप्ता
2	NL07/102/1	ASS/45417	दिनेश चुनीलाल सुतार	सूर्य देव S/O अग्रदौ
3	NL07/104/4	ASS/45067	आशादेवी आर गुप्ता	शुभम संतोष गुप्ता
4	NL07/521/126	ASS/45071	गिरीजा दिनकर भोये	श्वेता संतोष आंबेकर
5	NL07/97/16	ASS/45073	गिरीजा दिनकर भोये	शामा जानोबा ठोंबे
6	NL07/126/5	ASS/45072	कमलेश वसंत सिंग	निरा देवी सतिश कुमार सिंग
7	NL07/97/14	ASS/45070	गिरीजा दिनकर भोये	पुजा वल्लभ पटेल
8	NL07/521/124	ASS/45069	साजिदहुसैन नूर मोहम्मद शेख	प्रवीण प्रकाश मयेकर / सुवर्णा प्रवीण मयेकर
9	NL03/588/13/1	ASS/47872	सुप्रिया चंद्रकांत राऊत	धीरज प्रकाश विश्वकर्मा
10	NL03/1127/7	ASS/47873	रोहित शिवआसरे सिंग	निर्मला आशिष चौधरी
11	NL02/676/248	ASS/47823	राजेन्द्र गोपाळ साळवी	मनिष दिपक मिराशी
12	NL02/559/68	ASS/47807	उमेश चंद जैसवाल	मोहम्मद इलीयास मोहम्मद युनुस
13	NL02/888/13	ASS/48332	रत्ना गोपाळ होन्यालकर	प्रदीप पांडुरंग झाटे
14	NL03/1158/35	ASS/47493	रमेशकुमार दुखीप्रसाद गुप्ता	रेखा देवी W/O भोला ठाकुर
15	NL07/511/2	ASS/47173	बाळकृष्ण नाना जाधव / वामन अंबाजी गोठल	वर्षा रविंद्र शिरसागर
16	NL03/572/20	ASS/45986	रामआसरे सालीकराम यादव	आशादेवी सुबेदार
17	NL03/1150/4	ASS/45996	सुमन जयप्रकाश प्रजापती	प्रथमेश महिपात परब
18	NL07/308/7	ASS/48628	संभाजी शिवाजी भोंईटे	गणेश सत्यनारायण सोनी
19	NL02/860/32	ASS/48722	मीना वाजिद खान	इकबालुद्दीन s/o इसरार उद्दीन
20	NL04/435/19	ASS/48636	दिलीप बबन ढोंड	वर्षा दिपेश शाह

सही /-

सहा. आयुक्त

वसई विरार शहर महानगरपालिका

प्रभाग समिती (बी) विरार पूर्व

गणपति बप्पा को विदाई देने साथ आया कपूर परिवार, रणबीर ने खुद उठाई प्रतिमा आलिया भट्ट, नीतू कपूर और राहो भी विसर्जन में हुई शामिल नंगे पैर बप्पा को लेकर चले रणबीर

संवाददाता

मुंबई। गणपति विसर्जन के मौके पर कपूर परिवार एक साथ नजर आया। शुक्रवार को मुंबई में अपने घर के बाहर रणबीर कपूर ने परिवार के साथ गणपति बप्पा को विदाई दी। उनके साथ आलिया भट्ट, नीतू कपूर और बेटी राहा कपूर भी मौजूद थीं। विसर्जन के दौरान रणबीर ने खुद गणपति की प्रतिमा उठाई और नंगे पैर चलेते हुए विसर्जन की रस्म में हिस्सा लिया। इस अवसर पर रणबीर रस्ट-ऑरेंज रंग के कुर्ते और सफेद ट्राउजर में दिखाई दिए। पूजा-अर्चना के बाद उन्होंने सजी हुई गणपति प्रतिमा को अपने हाथों में उठाया और परिवार के साथ आगे बढ़े। नीतू कपूर पूजा की थाली लेकर बेटे के साथ बप्पा की विदाई में शामिल हुई। विसर्जन के दौरान कपूर परिवार ने ‘गणपति बप्पा मोरया’ के जयकारे भी लगाए। सामने आए वीडियो में रणबीर, आलिया और नीतू कपूर एक साथ बप्पा को विदाई देते नजर आ रहे हैं। विसर्जन से पहले परिवार ने वहां मौजूद पैपराजी के लिए पोज भी दिए। बाद में रणबीर ने बाहर मौजूद फोटोग्राफरों और अन्य लोगों को मिठाई बांटी। इस दौरान आलिया भट्ट बेटी राहा को लेकर खास तौर पर सतर्क नजर आईं। पारंपरिक गुलाबी और हरे रंग के परिधान में दिखाई दीं आलिया



ने राहा को अपने पास रखा और कैमरों की फ्लैश से उसे बचाती नजर आई। उनका यह अंदाज भी कैमरों में कैद हुआ। कपूर परिवार के गणपति विसर्जन के कई वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद प्रशंसकों ने अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दीं। खास तौर पर रणबीर का स्वयं गणपति प्रतिमा उठाकर नंगे पैर विसर्जन के लिए निकलना और आलिया का बेटी राहा की प्राइवसी का ध्यान रखना लोगों के बीच चर्चा का विषय बना।

18 की उम्र में शादी, 19 में तलाक... सुनिधि चौहान ने दर्द को बनाया अपनी ताकत 5 साल की उम्र से शुरू किया था गाना, निजी जिंदगी के मुश्किल दौर के बाद संगीत में बनाई अलग पहचान; आज भी बॉलीवुड की दमदार आवाजों में शुमार

संवाददाता

मुंबई। बॉलीवुड की मशहूर गायिका सुनिधि चौहान अपनी दमदार और अलग आवाज के लिए जानी जाती हैं। हिंदी के साथ मराठी, पंजाबी, तमिल, तेलुगू, कन्नड़, उर्दू और नेपाली समेत कई भाषाओं में अपनी आवाज का जादू बिखेर चुकीं सुनिधि आज भी संगीत की दुनिया में सक्रिय हैं। लेकिन सफलता की इस चमक के पीछे उनकी निजी जिंदगी का एक ऐसा दौर भी रहा, जब बेहद कम उम्र में उन्हें शादी टूटने का दर्द झेलना पड़ा। सुनिधि का संगीत से रिश्ता बचपन में ही जुड़ गया था। उन्होंने महज ५ साल की उम्र में गाना शुरू कर दिया था। छोटी उम्र से मंच पर प्रस्तुति देने वाली सुनिधि ने आगे चलकर अपनी आवाज और मेहनत के दम पर फिल्म इंडस्ट्री में खास मुकाम बनाया। उनकी निजी जिंदगी उस समय चर्चा में आई जब उन्होंने महज १८ साल की उम्र में कोरियोग्राफर बॉबी खान से शादी कर ली।

बॉबी, कोरियोग्राफर अहमद खान के भाई हैं। अलग-अलग धार्मिक पृष्ठभूमि से होने के कारण दोनों के परिवारों की ओर से इस रिश्ते को लेकर आपत्ति थी। इसके बावजूद दोनों ने शादी करने का फैसला किया। हालांकि यह रिश्ता ज्यादा समय तक नहीं चल सका। शादी के करीब एक साल बाद दोनों अलग हो गए। इतनी कम उम्र में वैवाहिक रिश्ता टूटना सुनिधि के लिए मुश्किल दौर था, लेकिन इसके बाद उन्होंने अपना ध्यान संगीत और करियर पर केंद्रित किया। सुनिधि ने बाद में अपने निजी जीवन के इस दौर पर बात करते हुए कहा था कि पहली शादी के अनुभव के बावजूद उनका प्यार और रिश्तों पर विश्वास खत्म नहीं हुआ। उन्होंने अपनी जिंदगी की गलतियों और मुश्किल अनुभवों से सीखने की बात भी कही। इस कठिन समय में उनके माता-पिता उनके लिए मजबूत सहारा बने। इसके बाद सुनिधि का करियर लगातार आगे बढ़ता गया और उन्होंने बॉलीवुड को कई लोकप्रिय गाने दिए। उनकी आवाज की खासियत यह रही कि रोमांटिक गीतों से लेकर हाई-एनर्जी डांस नंबर तक, उन्होंने अलग-अलग अंदाज के गानों में अपनी पहचान बनाई। साल २०१२ में सुनिधि चौहान ने संगीतकार हितेश सोनिक से शादी की। बाद



में दोनों बेटे तेग सोनिक के माता-पिता बने। निजी जिंदगी के उतार-चढ़ाव से गुजरने के बावजूद सुनिधि ने संगीत से अपना रिश्ता कभी कमजोर नहीं होने दिया और आज भी वह अपनी आवाज तथा लाइव परफॉर्मेंस के जरिए प्रशंसकों के बीच लोकप्रिय बनी हुई हैं।

न्यूड सीन कर चुकी हूं तो इसका मतलब यह नहीं कि हर बार करूंगी राधिका आप्टे का इंडस्ट्री पर बड़ा खुलासा

संवाददाता

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री राधिका आप्टे ने फिल्म इंडस्ट्री में इंटीमेट और न्यूड सीन फिल्माए जाने के तरीके को लेकर खुलकर बात की है। राधिका का कहना है कि अपने करियर की शुरुआत में कुछ फिल्मों में ऐसे दृश्य करने के बाद इंडस्ट्री के कुछ लोगों ने यह मान लिया था कि वह आगे भी बिना सवाल किए इस तरह के सीन करने के लिए तैयार हो जाएंगी। अभिनेत्री के मुताबिक, अब वह किसी भी इंटीमेट सीन के लिए पहले उसकी कहानी में जरूरत और संदर्भ के बारे में सवाल करती हैं। जूम को दिए एक इंटरव्यू में राधिका ने कहा कि शुरुआती दौर में उन्होंने चार-पांच ऐसी फिल्मों की थीं जिनमें न्यूड दृश्य थे। इसके बाद कुछ लोगों का रवैया ऐसा हो गया जैसे उन्हें लगा हो कि राधिका के लिए आगे भी इस तरह के दृश्य करना सामान्य बात है। राधिका ने बताया कि अब वह साफ तौर पर सवाल करती हैं कि किसी दृश्य में किसिंग या इंटीमैसी की जरूरत आखिर क्यों है। उनके मुताबिक, कई बार जवाब मिलता है कि यह केवल कुछ सेकेंड का दृश्य है या थोड़ा-सा इम्प्रोवाइजेशन करना है। अभिनेत्री ने कहा कि ऐसे सुझावों पर वह सीधे सवाल करती हैं और बिना उचित वजह के किसी दृश्य को करने के लिए तैयार नहीं होतीं।

एक्शन सीन की चर्चा पहुंच गई कपड़ों तक

इंटरव्यू में राधिका ने एक फिल्म के सेट से जुड़ा अनुभव भी साझा किया। उनके मुताबिक, शुरुआत एक एक्शन सीन को फिल्माने की चर्चा से हुई थी, लेकिन बातचीत धीरे-धीरे उनके कपड़ों पर केंद्रित हो गई। राधिका के अनुसार, उनसे पूछा गया कि क्या वह शर्ट के बटन खुले रखकर एक्शन सीन कर सकती हैं। इस पर उन्होंने सवाल किया कि एक्शन के दौरान बिना बटन वाली शर्ट स्वाभाविक रूप से उड़ती रहेगी। इसके बाद कथित तौर पर उन्हें केवल अंतर्वस्त्रों में वह दृश्य करने का सुझाव दिया गया। राधिका ने बताया कि यह सुनकर वह हैरान रह गई और उन्होंने मेकर्स से सीधे पूछा कि आखिर वे उनसे किस तरह का दृश्य करवाना चाहते हैं। राधिका लंबे समय से फिल्मों में बोल्ड और चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं को लेकर खुलकर बात



करती रही हैं। उनका कहना है कि किसी कलाकार का पहले किसी तरह का दृश्य करना इस बात की स्थायी सहमति नहीं हो सकती कि वह भविष्य की हर फिल्म में वैसा ही दृश्य करेगा। उनके मुताबिक, कहानी की जरूरत, दृश्य का संदर्भ और कलाकार की सहमति सबसे महत्वपूर्ण होनी चाहिए।

विश्वकर्मा जयंती पर कामगारों को मिला स्वरोजगार का सहारा, योगी ने बांटे चेक और टूलकिट

संवाददाता

लखनऊ, उत्तर प्रदेश। भगवान विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित ‘विश्वकर्मा स्वरोजगार एवं स्वदेशी मेला-२०२६’ तथा टूलकिट एवं ऋण वितरण कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के लाभार्थियों को स्वरोजगार के लिए आर्थिक सहायता के चेक और विभिन्न जिलों से आए पारंपरिक कामगारों को टूलकिट वितरित किए। आलमबाग निवासी मोहम्मद मुश्ताक को सैलून व्यवसाय के लिए २ लाख का चेक दिया गया। पिछले करीब २५ वर्षों से सैलून का काम कर रहे मुश्ताक ने कहा कि इस आर्थिक सहायता से उन्हें अपना व्यवसाय आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। कानपुर निवासी अवधेश, जो करीब २० वर्षों से सोने के आभूषण बनाने का काम कर रहे हैं, को सुनार की टूलकिट प्रदान की गई। वहीं बाराबंकी की वंदना और रमा जायसवाल को सिलाई मशीनें दी गईं। वंदना ने बताया कि वह सिलाई के जरिए परिवार की आर्थिक मदद कर रही हैं, जबकि रमा ने कहा कि टूलकिट मिलने से उन्हें अपना काम आगे बढ़ाने में सहायता मिलेगी। बड़ई का काम करने वाले राहुल शर्मा को १ लाख का चेक प्रदान किया गया। पिछले आठ वर्षों से इस पेशे से जुड़े राहुल ने बताया कि आर्थिक सहायता से वह अपने काम के लिए जरूरी औजार खरीद सकेगे। उन्होंने स्वरोजगार को बढ़ावा देने वाली योजनाओं को आगे भी जारी रखने की उम्मीद जताई। उन्नाव निवासी आनंद कुमार को भी बड़ई के काम के लिए १ लाख की सहायता दी गई। उन्होंने कहा कि सरकारी सहायता मिल ने से छोटे कामगारों को अपना रोजगार मजबूत करने का



अवसर मिल रहा है। अयोध्या निवासी राम को कुम्हार के काम के लिए टूलकिट प्रदान की गई। कार्यक्रम में कई लाभार्थियों ने राज्य सरकार की योजनाओं की सराहना की और अपने अनुभव साझा किए। कुछ लाभार्थियों ने पिछली और वर्तमान सरकार की योजनाओं की तुलना करते हुए वर्तमान व्यवस्था की प्रशंसा भी की। कार्यक्रम का उद्देश्य पारंपरिक कारीगरों और कामगारों को आधुनिक उपकरण, प्रशिक्षण तथा आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर उनके स्वरोजगार को मजबूत करना है। लाभार्थियों ने कहा कि टूलकिट और वित्तीय मदद से उन्हें अपने व्यवसाय का विस्तार करने तथा परिवार की आर्थिक स्थिति बेहतर करने में सहायता मिलेगी।

झांसी में बिना लाइसेंस-हेलमेट स्कूल नहीं आएंगे छात्र, अनफिट स्कूली वाहन होंगे सीज

देवेश प्रताप सिंह राठौर

झांसी, उत्तर प्रदेश। कलेक्ट्रेट के नवीन सभागार में अपर जिलाधिकारी प्रशासन शिव प्रताप शुक्ल की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्कूली बच्चों की सुरक्षा, ओवरलोड वाहनों, अवैध पार्किंग, ई-रिक्षा और ऑटो-रिक्षा व्यवस्था के साथ दुर्घटना संभावित स्थानों पर विशेष रूप से चर्चा की गई। अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने निर्देश दिया कि प्रत्येक स्कूल में विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए समिति का गठन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना वैध लाइसेंस और हेलमेट के कोई भी छात्र-छात्रा दोपहिया वाहन से स्कूल न आए, इसे स्कूल प्रशासन द्वारा सख्ती से सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने स्कूली वाहनों की फिटनेस जांच को लेकर एआरटीओ को निर्देश दिए कि जांच में अनफिट मिलने वाला कोई भी स्कूली वाहन सड़क पर नहीं चलना चाहिए। ऐसे वाहनों को सीज करने की कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही स्कूली वाहनों के निजी चालकों का सत्यापन और उनकी चिकित्सीय जांच भी सुनिश्चित कराने को कहा गया।

ओवरलोड वाहनों पर होगी १०० फीसदी कार्रवाई

बैठक में बताया गया कि ओवरलोड वाहनों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर जल्द ही एसओपी जारी की जाएगी। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि ओवरलोडिंग करने वाले वाहनों के खिलाफ शत-प्रतिशत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कोई भी वाहन बिना नंबर प्लेट के नहीं चलना चाहिए। नंबर प्लेट इस तरह साफ और स्पष्ट हो कि वाहन का नंबर आसानी से पढ़ा जा सके। शहर की पार्किंग व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए झोकन बाग स्थित बांस मंडी के पीछे खाली स्थान पर पार्किंग विकसित करने की संभावना तलाशने के निर्देश दिए गए। इसके



लिए नगर निगम, झांसी विकास प्राधिकरण और यातायात विभाग की संयुक्त टीम को मौके का निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया। नो-पार्किंग और नो-वेंडिंग जोन में अतिक्रमण मिलने पर सख्त कार्रवाई के भी निर्देश दिए गए।

ई-रिक्षा और ऑटो की अवैध पार्किंग पर सख्ती

शहर में बढ़ती ई-रिक्षा और ऑटो-रिक्षा की संख्या को देखते हुए चालकों और वाहनों की पहचान संबंधी आवश्यक जानकारी ऑटो-रिक्षा पर प्रदर्शित कराने के निर्देश दिए गए। निर्धारित पार्किंग स्थलों के अलावा अन्य स्थानों पर ई-रिक्षा और ऑटो खड़े किए जाने पर कार्रवाई करने को कहा गया।

बड़ागांव में बंद होंगे २७-२८ अवैध कट

बड़ागांव क्षेत्र में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं पर अपर जिलाधिकारी ने विशेष चिंता जताई। बैठक में बताया गया कि क्षेत्र में करीब २७ से २८ अवैध कट दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं। उन्होंने एनएचए-आई को सभी अवैध कट बंद कर उनकी तस्वीरों सहित कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। एनएचएआई की ओर से बताया गया कि अवैध कटों को बैरियर अथवा कंटीले तार लगाकर बंद किया जा रहा है, ताकि दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

गंजमुरादाबाद में 'स्वच्छता ही सेवा-2026-का शुभारंभ'

स्वच्छ पाठशाला- 'युवा फॉर स्वच्छता' के जरिए बच्चों और युवाओं को किया जागरूक स्वच्छ नगर के लिए जनभागीदारी पर जोर

संवाददाता

उन्नाव, उत्तर प्रदेश। नगर पंचायत गंजमुरादाबाद में गुरुवार को ‘स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम-२०२६’ का शुभारंभ किया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रूबी और अधिशासी अधिकारी सुश्री गुंजन गुप्ता के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम के साथ ‘स्वच्छ पाठशाला-युवा फॉर स्वच्छता’ अभियान के जरिए बच्चों, युवाओं और नगरवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि स्वच्छता केवल किसी विभाग, संस्था या सफाई कर्मचारी की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामूहिक दायित्व है। प्रत्येक व्यक्ति अपने आसपास सफाई रखे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करे तो गंजमुरादाबाद को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ नगर बनाने का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। ‘स्वच्छ पाठशाला’ के माध्यम से विद्यार्थियों को बचपन से ही स्वच्छता की आदत अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। उन्हें घर, विद्यालय, सड़क, बाजार और सार्वजनिक स्थानों को सफा रखने में अपनी जिम्मेदारी समझने का संदेश दिया गया।



वहीं ‘युवा फॉर स्वच्छता’ के तहत युवाओं से स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी करने और लोगों तक जागरूकता का संदेश पहुंचाने की अपील की गई। इस दौरान नागरिकों को कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालने, गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने तथा सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी नहीं फैलाने के लिए जागरूक किया गया। वक्ताओं ने कहा कि साफ-सफाई का सीधा संबंध बेहतर स्वास्थ्य और स्वच्छ पर्यावरण से है। कार्यक्रम में नगर पंचायत के कर्मचारियों के साथ स्थानीय नागरिकों ने भी हिस्सा लिया और नगर को स्वच्छ रखने में सहयोग का संकल्प लिया। नगर पंचायत ने कहा कि ‘स्वच्छता ही सेवा-२०२६’ के तहत आगे भी विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित कर स्वच्छता को जन-आंदोलन का रूप देने का प्रयास किया जाएगा।